



SHRI ANAND KUMAR

Shri Anand Kumar, the founder of Super 30, is a pioneering educator who has changed the lives of many underprivileged students in India. His two-decade-old journey has turned the dreams of countless students into a reality by offering them free residential education to help them gain admission to India's premier institutions such as the Indian Institute of Technology (IIT).

2. Born on 1st January 1973 in Patna, Bihar, Shri Kumar graduated in Mathematics from BN College, Patna University. He faced financial difficulties in his youth and was unable to pursue higher education, which led him to create an initiative to help those who faced similar challenges. He has written a number of articles for national and international journals and newspapers.

3. Shri Kumar's dedication and work brought him recognition in India and around the world. National and international media have noticed his inspiring work, with people visiting his home to learn more about his initiative. In 2019, a Bollywood biopic was made about his life, and eight Indian states declared it tax-free. Before the film, a book titled "Super 30" was already written in English, Hindi, and several other regional languages, and it was well-received. Discovery Channel and Japan's NHK channel also made documentaries on Kumar and Super 30.

4. Shri Kumar has been recognized by various global publications. In 2011, Europe's magazine Focus named him as "one of the global personalities who can shape exceptionally talented people." The UK-based magazine Monocle included him on its list of 20 pioneering teachers of the world in 2011. Time magazine listed Super 30 in the Best of Asia 2010, while Newsweek magazine included his school in the four most innovative schools worldwide in 2010. Canadian MP Marc Dalton praised Anand Kumar's "inspiring work" with underprivileged children as a successful model for education in the Canadian parliament. He has also shared his experiences and initiatives with students and faculty at prestigious universities such as MIT, Harvard University, Stanford University, University of British Columbia, and Tokyo University.

5. Shri Kumar has received numerous awards for his contribution to education, including the "Rashtriya Bal Kalyan Award" in 2017, "Maharishi Ved Vyas National Award" in 2015. He was also awarded the Maulana Abdul Kalam Azad Shiksha Puruskar for his outstanding contribution to education in Bihar in 2010. In 2019, he received the Education Excellence Award from the Foundation for Excellence (FFE) in San Jose, California. The National Institute of Technology, Delhi, conferred an honorary Doctorate on him in recognition of his work.



श्री आनन्द कुमार

सुपर 30 के संस्थापक, श्री आनन्द कुमार एक अग्रणी शिक्षक हैं जिन्होंने भारत के बहुत से गरीब छात्रों के जीवन को बदल दिया है। उनकी दो दशक की अध्यापन यात्रा के दौरान, मुफ्त आवासीय शिक्षा ने अनगिनत छात्रों के सपनों को हकीकत बना दिया है और उन्हें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जैसे भारत के प्रमुख संस्थानों में प्रवेश मिला है।

2. 1 जनवरी, 1973 को बिहार के पटना में जन्मे, श्री कुमार ने बीएन कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय से गणित में स्नातक किया। उन्हें अपनी युवावस्था में वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और वह उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाए। इन कठिनाइयों ने उन्हें ऐसी चुनौतियों का सामना करने वालों की मदद करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और समाचार पत्रों के लिए कई लेख लिखे हैं।

3. श्री कुमार के समर्पण और कार्य ने उन्हें भारत और दुनिया भर में पहचान दिलाई है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने उनके प्रेरक कार्यों की प्रशंसा की है, लोग उनके प्रयासों के बारे में अधिक से अधिक जानने के लिए उनसे मिलने आते हैं। वर्ष 2019 में, उनके जीवन पर एक बॉलीवुड बायोपिक बनाई गई थी और आठ भारतीय राज्यों ने इसे कर-मुक्त घोषित किया था। फिल्म से पहले, "सुपर 30" नामक एक पुस्तक अंग्रेजी, हिंदी और कई अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में पहले ही लिखी जा चुकी थी, और इसे खूब सराहा गया था। डिस्कवरी चैनल और जापान के एनएचके चैनल ने भी कुमार और सुपर 30 पर वृत्तचित्र बनाए।

4. विभिन्न विश्व प्रकाशन संस्थानों ने श्री कुमार को सम्मानित किया है। वर्ष 2011 में, यूरोप की पत्रिका फोकस ने उन्हें "एक ऐसे वैश्विक व्यक्ति के रूप में नामित किया जो असाधारण रूप से प्रतिभाशाली लोग तैयार कर सकता है" और वर्ष 2011 में, ब्रिटेन की पत्रिका मोनोकल ने उन्हें दुनिया के 20 अग्रणी शिक्षकों की सूची में शामिल किया। टाइम पत्रिका ने सुपर 30 को बेस्ट ऑफ एशिया 2010 की सूची में शामिल किया, जबकि न्यूजवीक पत्रिका ने 2010 में उनके स्कूल को दुनिया भर के चार सबसे नवप्रवर्तनीय स्कूलों में शामिल किया। कनाडा के संसद सदस्य मार्क डाल्टन ने कनाडा की संसद में शिक्षा के सफल मॉडल के रूप में वंचित बच्चों के लिए आनंद कुमार के "प्रेरक कार्य" की सराहना की। उन्होंने एमआईटी, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय और टोक्यो विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में छात्रों और शिक्षकों के साथ भी अपने अनुभव और प्रयास साझा किए हैं।

5. श्री कुमार को शिक्षा में उनके योगदान के लिए कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें 2017 में "राष्ट्रीय बाल कल्याण पुरस्कार", 2015 में, "महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय पुरस्कार" शामिल हैं। वर्ष 2010 में, बिहार में शिक्षा के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें मौलाना अब्दुल कलाम आजाद शिक्षा पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। वर्ष 2019 में, उन्हें सैन जोस, कैलिफोर्निया के फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंस (एफएफई) ने एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली ने उनके कार्य के सम्मान स्वरूप उन्हें डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की।